भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
प्रेस विज्ञप्ति

<u>माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 2 जनवरी, 2024 को रूपये 20,140 करोड़ लागत की बहुविध अवसंरचना तथा विकास योजनाओं का शुभांरभ।</u>

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा तिरूचिरापल्ली हवाई अड्डे पर नए एकीकृत टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया।

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा तिरुचिरापल्ली हवाई अड्डे के नए एकीकृत टर्मिनल सहित रेलवे, राजमार्ग, बंदरगाह, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, परमाणु ऊर्जा और उच्चतर शिक्षा की विभिन्न अवसंरचनाओं और विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

नई दिल्ली, 3 जनवरी , 2024: माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2 जनवरी, 2024 को तमिलनाडु के त्रिची में रूपये 20,140 करोड़ की लागत से 20 अवसंरचनाओं और विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया। इसमें हवाई अड्डे, रेलवे, राजमार्ग, बंदरगाह, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, परमाणु ऊर्जा और उच्चतर शिक्षा की परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास शामिल था।

बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा तिरुचिरापल्ली हवाई अड्डे के नए एकीकृत टर्मिनल भवन (एनआईटीबी) को विकसित किया गया। रूपये 1112 करोड़ की लागत से विकसित, दो-स्तरीय एनआईटीबी प्रतिवर्ष 45 लाख और व्यस्ततम समय के दौरान 3480 यात्रियों को सेवा प्रदान करने की क्षमता रखता है। सुरुचिपूर्ण टर्मिनल यात्रियों की सुविधाओं हेतु अत्याधुनिक सुख- सुविधाओं से सुसज्जित है। जबकि 60 चेक-इन काउंटर, 44 प्रस्थान और 60 आगमन आव्रजन काउंटर यात्रियों के तीव्रता और सुचारू पारगमन को सुनिश्चित करते हैं, टर्मिनल में आधुनिक लाउंज यात्रियों के आरामदायक अनुभव को बढ़ाएंगे।

नवनिर्मित एप्रन एयरबस 321 प्रकार के विमानों की पार्किंग के लिए विमान पार्किंग क्षमता को 08 से बढ़ाकर 19 कर देगा, जिससे हवाई अड्डे की प्रचालन दक्षता में सुधार होगा।

इस अवसर पर, माननीय प्रधानमंत्री द्वारा तमिलनाडु के लिए कई रेलवे परियोजनाएं भी समर्पित कीं गई। 448 करोड़ रुपये की लागत से सेलम-मैग्नेसाइट जंक्शन- ओमालुर - मेटूर बांध सेक्शन के 41.4 किमी रेल लाइन का दोहरीकरण किया गया। यह परियोजना मेट्टूर थर्मल शक्ति स्टेशन के लिए कोयले तथा तमिलनाडु के मेट्टूर क्षेत्र में स्थित अन्य उद्योग को कच्ची सामग्री और परिपूर्ण उत्पादों की आवाजाही को काफी आसान कर देगी ।

माननीय प्रधान मंत्री द्वारा रूपये 1890 करोड़ रुपये की लागत से मदुरै-तूतीकोरिन तक 160 किलोमीटर के रेल लाइन खंड के दोहरीकरण को राष्ट्र को समर्पित किया गया । यह परियोजना रेलवे लाइन की क्षमता बढ़ाएगी और तमिलनाडु के दक्षिणी जिले में अधिक ट्रेन सेवाओं के प्रचालन का मार्ग प्रशस्त करेगी ।

इसके अलावा, माननीय प्रधान मंत्री ने तीन रेल लाइन विद्युतीकरण परियोजनाएं भी राष्ट्र को समर्पित कीं। तिरुचिरापल्ली -मनमदुरै - विरुधुनगर, विरुधुनगर – तेनकासी संगम, सेनगोट्टई –तेनकासी संगम - तिरुनेलवेली- तिरुचेन्दुर की विद्युतीकरण परियोजनाएं से तमिलनाडु के लोगों को बहुत लाभ होगा तथा पर्यावरण-अनुकूल परिवहन और शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन में योगदान देने के अलावा उन्नत और तेज़ संपर्कता मिलेगी।

त्रिची, श्रीरंगम , चिदंबरम, रामेश्वरम , धनुषकोडी , उथिराकोसमंगई , देवीपट्टिनम , एरवाड़ी , मदुरै और कई अन्य जैसे तीर्थ, पर्यटक, औद्योगिक और वाणिज्यिक केंद्रों की सुरक्षित और तेज़ यात्रा की सुविधा के लिए , माननीय प्रधानमंत्री द्वारा राज्य में पांच राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया जिनमें एनएच-81 के त्रिची – कल्लागम खंड के 39 किलोमीटर को चार लेन सड़क के रूप में विकसित करना ; एनएच-81 के कल्लागम - मीनसुरुट्टी खंड के 4/2-लेनिंग की लंबाई 60 किमी की जानी; एनएच-785 के चेट्टीकुलम - नाथम खंड की 29 किमी लंबी चार-लेन सड़क का विकास ; एनएच-536 के कराईकुडी - रामनाथपुरम खंड के पेव्ड शोल्डर सहित 80 किमी लंबे दो लेन और एनएच-179ए सेलम-तिरुपथुर - वनियमबाड़ी रोड के 36 किमी से 80 किमी तक 44 किमी लंबे चार लेन किया जाना शामिल है । परियोजनाओं से राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना में वृद्धि तथा यात्रा समय में कमी आएगी।

इस अवसर पर, राष्ट्रीय राजमार्ग 332ए के मुगैयुर से मरक्कनम तक चार लेन सड़क के निर्माण का भी शिलान्यास किया गया । 31 किमी लंबा मार्ग एक फीडर मार्ग है जो तमिलनाडु के पूर्वी तटों के बंदरगाहों को जोड़ता है जो मामल्लपुरम के विश्व धरोहर स्थल तक सड़क संपर्कता को बढ़ाएगा और कलपक्कम परमाणु ऊर्जा संयंत्र को बेहतर संपर्कता प्रदान करेगा । यह परियोजना क्षेत्र में औद्योगिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में भी सहायक होगी।

अन्य परियोजनाएं जो राष्ट्र को समर्पित की गई, चेन्नई से 24 किलोमीटर उत्तर में स्थित कामराजार बंदरगाह का जनरल कार्गो बर्थ-II (ऑटोमोबाइल निर्यात/आयात टर्मिनल-II और कैपिटल ड्रेजिंग चरण-V) है जोकि12वां प्रमुख भारतीय बंदरगाह है। 341 करोड़ रुपये की कुल लागत से निर्मित जनरल कार्गो बर्थ-II का उद्घाटन एक बड़ी उपलब्धि है जो एक्ज़िम व्यापार को काफी हद तक बढ़ावा देगी। बर्थ पारगमन और समर्पित कार पार्किंग क्षेत्र द्वारा समर्थित है।

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा रुपये 5865 करोड़ लागत की दो महत्वपूर्ण पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस परियोजनाएं भी राष्ट्र को समर्पित की गई -आईओसीएल की आईपी101 (चेंगलपेट) से आईपी 105 (सयालकुडी) खंड तक 488 किमी लंबी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन एन्नोर - तिरुवल्लूर - बेंगलुरु - पुडुचेरी - नागापट्टिनम - मदुरै – तूतीकोरिन की 2793 करोड़ रुपये की परियोजनाएं और एचपीसीएल की 697 किमी लंबी विजयवाड़ा-धर्मपुरी मल्टीप्रोडक्ट (पीओएल) पेट्रोलियम पाइपलाइन (वीडीपीएल) की रूपये 3072 करोड़ की

परियोजनाएं है। ये परियोजनाएं क्षेत्र में ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में सहायता करेंगी और ऊर्जा की औद्योगिक, घरेलू और वाणिज्यिक आवश्यकताओं को पूरा करेंगी।

इसके अलावा, माननीय प्रधानमंत्री द्वारा रुपये 3016 करोड़ की लागत की अन्य दो पेट्रोलियम प्राकृतिक गैस परियोजनाओं का भी शिलान्यास किया गया। गेल द्वारा 2187 करोड़ रूपये लागत से केकेबीएमपीएल-।। के कृष्णागिरि से कोयंबटूर खंड तक 323 किलोमीटर लंबी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन और वेल्लूर, चेन्नई में कॉमन कोरिडोर में प्रस्तावित ग्रास रूट टर्मिनल में पीओएल पाइपलाइन बिछाने के लिए 829 करोड़ रुपये लागत से परियोजनाओं का क्रियान्वयन कर रहा है। ये परियोजनाएं मिलकर क्षेत्र में रोजगार सृजन में तेजी लाएंगी और आने वाले वर्षों में क्षेत्र में ऊर्जा की अतिरिक्त आवश्यकता को पूर्ण करेगी। आसनूर में आईओसीएल के 456 करोड़ की लागत से निर्मित नए पाइपलाइन टर्मिनल का उद्घाटन से भी किया गया।

प्रधानमंत्री द्वारा कलपक्कम के डिमेंस्ट्रेशन फास्ट रिएक्टर ईंधन पुनर्संसाधन संयंत्र (डीएफआरपी) को भी राष्ट्र को समर्पित किया। एक अद्वितीय डिज़ाइन वाला और विश्व में अपनी तरह का एकमात्र संयंत्र जो तेज़ रिएक्टरों से निकलने वाले कार्बाइड और ऑक्साइड ईंधन दोनों को पुन: संसाधित करने में सक्षम है। रुपये 400 करोड़ की लागत से, इसे पूर्ण रूप सेभारतीय वैज्ञानिक डिज़ाइन किया गया है , यह बड़े वाणिज्यिक पैमाने के तेज़ रिएक्टर ईंधन पुनर्संसाधन संयंत्र के निर्माण हेतु महत्वपूर्ण कदम है।

माननीय प्रधान मंत्री ने 500 से अधिक बिस्तरों वाले राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) - तिरुचिरापल्ली में लड़कों के छात्रावास 'एमेथिस्ट' का भी उद्घाटन किया। यह परियोजना ईडब्ल्यूएस योजना के अंतर्गत 41 करोड़ रुपये की लागत से 18 महीने की अवधि में पूरी की गई।
तमिलनाडु और दक्षिण भारत को रुपये 20,140 करोड़ रुपये की परिवर्तनकारी विकास परियोजनाएं का उपहार दिया गया। । माननीय प्रधान मंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व के अंतर्गत , ये परियोजनाएं न केवल मील का पत्थर साबित होंगी बल्कि तमिलनाडु, दक्षिण भारत और भारत को विकास के अभूतपूर्व स्तर तक ले जाएंगी।

निगमित संचार निदेशालय,भाविप्रा द्वारा जारी
विस्तृत विवरण के लिए कृपया संपर्क करें: महाप्रबंधक (निगमित संचार)
011-24622787
प्रेस विज्ञप्ति सं: 30/ 2023- 24